tis question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

No. of Question Paper : 6095 **G**

que Paper Code : 205202

e of the Paper : Hindi Paper - V

(Uttarmadhyakalin Kavita)

me of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

mester : II

ration : 3 Hours Maximum Marks : 75

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

सभी प्रश्न अनिवार्य है।

"भाव और शिल्प" की दृष्टि से रहीम के काव्य की समीक्षा कीजिए। (15)

अथवा

देव के सौन्दर्य-वर्णन पर प्रकाश डालिए।

बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए। (15)

अथवा

रीतिकालीन वीर काव्य परंपरा में भूषण का स्थान निर्धारित कीजिए।

P.T.O.

3. घनानंद की 'प्रेम-व्यंजना' पर प्रकाश डालिए।

अथवा

गिरिधर के काव्य में वर्णित नैतिक आदर्शों की विवेचना कीजिए।

4. किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

(क) रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो छिटकाय।

टूटे से फिर ना मिले, मिले गाँठ परि जाय।।

रहिमन प्रीति न कीजिए, जस खीरा ने कीन।

ऊपर से तो दिल मिला, भीतर फाँकें तीन।।

(ख) पावक मैंबसि आँच लगै न, बिना छत खाँड़े कि धार पै धावै,

मीत सों भीत, अभीत अमीत सों, दुक्ख सुखी, सुख मैं दुःख

जोगी है आठ हु जाम जगै, अठजामनि कामनि सौं मनु लावे।

आगिलो पाछिलों सोचि सबै फल कृत्य करै, तब भृत्य कहावै।।

(ग) साजि चतुरंग-सैन अंग मैं उमंग धारि

सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत है।

भूषन भनत नाद-बिहंद नगारन के

नदीनद मद गैबरन के रलत है।

ऐलफैल खैलभैल खलक में गैलगैल

गजन की ठैलपैल सैल उसलत है।

तारा सो तरनि धूरिधारा में लगत जिमि

थारा पर पारा पारावारा यों हालत है।

दिए गए निर्देशों के आधार पर किन्हीं दो का रचना-कौशल (लगभग 150 शब्दों में) स्पष्ट कीजिए : (7+7)

(क) **निर्देश : भाषा-सौन्दर्य**

दृग उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति।

परति गाँठि दुरजन-हियैं, दइ, नई यह रीति।।

(ख) **निर्देश : प्रकृति-सौन्दर्य**

बंदनवार बँधै सब कैं, सब फूल की मालन छाजि रहे हैं।

मैनका गाइ रहीं सब कैं, सुर-संकुल है सब राजि रहे हैं।।

फूल सब बरसैं 'द्विजदेव', सबै सुखसाज कौं साजि रहे हैं।

P.T.O.

यौं ऋतुराज के आगम मैं, अमरावती कौं तरु लाजि रहे

(ग) **निर्देश : भाव-सौंन्दर्य**

थोरै दिन के कारणे, कौन उपाधि करै

किस जीवन के वास्ते, जग में पचि-पचि मरै

जग में पचि-पचि मरै, आपनी इज्जत खोवै

एक गमावै हुरमत, द्वितीय फजीहत होवै

कह गिरिधर कविराय, जु जीवन मुक्ती लोरै

तजै सर्व का संग, जान रहना दिन थोरैं।

रहे हैं।

his question paper contains 2 printed pages]

our Roll No. : ....

. No. of Q. Paper : **8694** **GC-4**

nique Paper Code : 12051201

ame of the Course : **B.A.(Hons.) Hindi**

ame of the Paper : Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadikal Aur Madhyakal)

emester : II

ime : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

द्यार्थियों के लिए निर्देश :

(a) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

. हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा पर प्रकाश डालिए । 14

अथवा

रीतिकाल के नामकरण पर विचार कीजिए ।

. आदिकालीन हिन्दी साहित्य का राजनीतिक और सामाजिक परिवेश स्पष्ट कीजिए । 14

P.T.O.

अथवा

आदिकालीन लौकिक साहित्य की विशेषताएँ बतलाइए।

3. भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 14

अथवा

सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ बताइए।

4. रीतिकाल की युगीन पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए। 14

अथवा

रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए।

5. (क) किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। [6, 6]

(i) रासो काव्य

(ii) राम-भक्ति काव्य

(iii) ज्ञानाश्रयी शाखा

(iv) रीतिमुक्त काव्य

(ख) किसी **एक** पर टिप्पणी कीजिए : 7

(i) अमीर खुसरो

(ii) मीराबाई

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **8695** **GC-4**

Unique Paper Code : 12051202

Name of the Course : **B.A.(Hons.) Hindi CBCS**

Name of the Paper : Hindi Kavita (Reetikalin Kavya)

Semester : II

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

विद्यार्थियों **के लिए सामान्य निर्देश** :

(a) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. केशव की काव्यकला का विश्लेषण कीजिए। 12

अथवा

रहीम के भाव-सौन्दर्य का विवेचन कीजिए।

2. 'बिहारी की वाग्विदग्धता' का परिचय दीजिए। 12

P.T.O.

अथवा

'बिहारी के श्रृंगार चित्रण' की विशेषताएँ बताइए।

3. 'घनानंद के काव्य में प्रेम की धारा प्रवाहित हुई है' सोदाहरण विवेचन कीजिए। 12

अथवा

'नेही महा ब्रजभाषा प्रवीन' पंक्ति के आलोक में घनानंद की काव्यभाषा की विशेषताएँ लिखिए।

4. भूषण के काव्य-शिल्प पर विचार कीजिए। 12

अथवा

नीति-कवि के रूप में गिरिधर कविराय का मूल्यांकन कीजिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 12

(क) हाथी न साथी न घोरे न चेरे, न गाँव न ठांव को नांव बिलैहै।
तात न मात, न मित्र न पुत्र न बित्त न अंगै हू संग न रैहै। 6
केशव काम को राम बिसारत और निकाम न कामहि ऐहै।
चेत रे चेत अजू चित्त अंतर अन्तक लोक अकेलहि जैहै।

अथवा

प्रेम पंथ ऐसो कठिन, सब कोउ निबहत नाहिं।
रहिमन मैन तुरंग चढ़ि, चलिबो पावक माहिं।
रहिमन पैड़ा प्रेम को, निपट सिलसिली गैल।
बिछलत पाँव पिपीलिका, लोग लदावत बैल।

(ख) इंद्र जिमि जम्भ पर बाडव सुअम्भ पर रावन सदम्भ
पर रघुकुल राज है।
पौन बारिबाह पर संभु रतिनाह पर ज्यों सहस्रबाहु पर
राम द्विजराज है।
दावा द्रुमदंड पर चीता मृगझुण्ड पर भूषन बितुंड पर
जैसे मृगराज है।
तेज तम अंस पर कान्ह जिमि कंस पर त्यौं मलेच्छ
बंस पर सेर सिवराज है।

अथवा

चिंता ज्वाल सरीर की, दाह लगे न बुझाय
प्रकट धुवां नहिं देखिए, उर अंतर धुंधवाय
उर अंतर धुंधवाय, जरै जस कांच की भट्टी
रक्त मांस जरि जाइ, रहै पांजरि की ठट्टी
कह गिरिधर कविराय, सुनो रे मेरे मीता
ते नर कैसे जियैं, जाहि व्यापी है चिंता।

6. दिए गए निर्देशों के अनुसार किन्हीं **दो** अवतरणों का रचना-कौशल स्पष्ट कीजिए। 12

(क) रूप निधान सुजान सखी जब तें इन नैननि नैकु
निहारे।
दीठि थकी अनुराग छकी मति लाज के साज समाज
बिसारे।
एक अचंभौ भयौ घनआनंद हैं नित ही पल पाट
उघारे।
टारें टरै नहीं तारे कहूं सु लगे मनमोहन मोह के तारे।

(भाषा सौन्दर्य)

(ख) घाम घरीक निवारियै, कलित ललित अलि पुंज
जमुना तीर तमाल तरु मीलित मालती कुंज
रनित भृंग घंटावली झरति दान मधु नीर
मंद मंद आवत चल्यौ कुंजर कुंज समीर

(प्रकृति सौन्दर्य

(ग) मीत सुजान अनीति करौ जिन हाहा न हूजिए मोहि
अमोही
दीठि कौं और कहूं नहिं, ठौर फिरी दृग रावरे रूप की
दोही
एक बिसास की टेक गहे लगि आस रहै बसि प्राण
बटोही
हौ घनआनंद जीवनमूल दई कित प्यासनि मारत मोही

(घनानंद का वियोग वर्णन)

(घ) मेरी भव बाधा हरो, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झांई परै, स्याम हरित दुति होइ।
दृग उरझत टूटत कुटुम, जुरत चतुर चित प्रीति
परति गाँठ दुर्जन हिये, दई नई यह रीति।

(शिल्प सौन्दर्य)

is question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

No. of Question Paper : 6094 **G**

ique Paper Code : 205201

me of the Paper : हिन्दी-प्रश्नपत्र IV (हिन्दी कहानी)

me of the Course : **B.A. (Hons.) बी.ए. (ऑनर्स) Hindi**

mester : IV

ration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>त्रों के लिए निर्देश</u>

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (8+8)

(1) सामने के फ्लैटवाली मिसेज़ गिडवानी भी दो बासी रोटियों पर तीन दिन पुराना सालन डालकर घर के बाहर चबूतरे पर रख आयी हैं, क्योंकि उसमें से बास आने लगी थी। इसे कोई गाय खा जाये तो भी ठीक, किसी कुत्ते के मुँह में पड़ जाये तो भी ठीक, और जो गौरी के बच्चे उठाकर खा लें, तो भी ठीक। और गौरी के बच्चे सचमुच लपककर पहुँच गए हैं, जिन्हें देखकर मिसेज़ गिडवानी फिर से अपने बेटे को सीख देने लगी हैं: "देखा? कैसी भूख से खाना खाते हैं। तुझे तो भूख ही नहीं लगती। बात-बात पर नखरे करता है, यह नहीं खाऊँगा, वह नहीं खाऊँगा। देख तो, लगता है जैसे पिकनिक कर रहे हैं।"

P.T.O.

(2) पत्र बड़ा नहीं था। सीधे-सादे ढंग से उसमें यह लिखा था कि "
जब विवाह के लिय यहाँ पहुँचेंगे तो मुझे प्रस्तुत भी पाएँगे। लेकिन
चित्त की हालत इस समय ठीक नहीं है और विवाह जैसे धार्मि
अनुष्ठान की पात्रता मुझमें नहीं है। एक अनुगता आपको विवाह
मिल जाएगी। पर चाहिए कि वह जीवन संगिनी भी हो। वह मैं हूँ
हो सकती हूँ, इसमें मुझे बहुत संदेह है। फिर भी अगर आप चाहें आप
माता-पिता चाहें, तो प्रस्तुत मैं अवश्य हूँ। विवाह में आप मुझे लेंगे
स्वीकार करेंगे तो मैं अपने को दे भी दूँगी, आपके चरणों की धूल मा
से लगाऊँगी। आपकी कृपा मनाऊँगी। कृतज्ञ होऊँगी। पर निवेदन है
यदि आप मुझ पर से अपनी मांग उठा लेंगे, मुझे छोड़ देंगे, तो मैं
भी कृतज्ञ होऊँगी। निर्णय आपके हाथ है। जो चाहे निर्णय करें।"

(3) करुणा के मन की सारी दुर्बलता, सारा शोक, सारी वेदना मानो लु
हो गयी, और उनकी जगह उस आत्म-बल का उदय हुआ, जो मृ
पर हँसता है, और विपत्ति के साँपों से खेलता है। रत्न-जड़ित, मखम
म्यान में जैसे तेज़ तलवार छिपी रहती है, जल के कोमल प्रवाह
जैसे असीम शक्ति छिपी रहती है, वैसे ही रमणी का कोमल हृदय साह
और धैर्य को अपनी गोद में छिपाये रहता है। क्रोध जैसे तलवार
बाहर खींच लेता है, विज्ञान जैसे जल-शक्ति का उद्घाटन कर ले
है, वैसे ही प्रेम रमणी के साहस और धैर्य को प्रदीप्त कर देता है

2. दिए गए निर्देशों के आधार पर किन्हीं दो पाठांशों का रचना-कौशल लगभ
150 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। (7,7

(1) निर्देश : दलित-चेतना की

राकेश अपने भीतर उठने वाली बेचैनी को जितना दबाने की कोशिश कर रहा था, वह उतना ही तीव्रता से बढ़ रही थी। वह फ़िर से कुर्सी पर बैठ गया था। सोनकर का चेहरा उसके उद्वेलित कर रहा था। सोनकर की ज़द्दोज़हद राकेश की अपनी पीड़ा बन गई थी। उसने एक गहंरी साँस ली और झटके से उठकर खड़ा हो गया था। उसने तय कर लिया था, वह सोनकर की अन्तिम यात्रा में शामिल ही नहीं होगा, उसे कन्धा भी देगा।

निर्देश : कथा-भाषा की दृष्टि से

मलबे के नीचे नाली का पानी हल्की आवाज़ करता बह रहा था। रात की खामोशी को काटती हुई कई तरह की हल्की-हल्की आवाज़ें मलबे की मिट्टी में से सुनाई दे रही थीं.... च्यु..च्यु....च्यु... चिक्-चिक्-चिक्. .. किर् र्र्र्- रीरीरीरी- चिर्र्र्। एक भटका हुआ कौआ न जाने कहाँ से उड़कर उस चौखट पर आ बैठा। इससे लकड़ी के कई रेशे इधर-उधर छितरा गए। कौए के वहाँ बैठते-न-बैठते मलबे के एक कोने में लेटा हुआ कुत्ता गुर्रा कर उठा और जोर-जोर से भौंकने लगा - वऊ-अऊ-वऊ।

निर्देश : परिवेश की दृष्टि से

चाँद की ख़बर के साथ ही घर का माहौल एकदम बदल जाता है। बच्चे टोपियाँ लगाकर सलाम करते तराबियाँ पढ़ने मस्ज़िद की तरफ़ दौड़ जाते हैं। सहरी की तैयारी होने लगती है। अम्माँजी अपने हाथ से घड़ी का अलार्म, जिसे वे 'जाग' कहती हैं, सेट करके, घड़ी खुद अपने सिरहाने

रखकर सोती है। 'जाग' बजते ही वे खुद उठकर सारे घरवा जगा देती हैं। चूल्हें के इर्द-गिर्द बैठकर सब लोग सहरी भी का हैं। और एक-दूसरे से बातचीत भी। सुबह के नाश्ते और दो खाने का चूल्हा जलना बंद, सिर्फ शाम को इफ्तार और खाने का इंतज़ाम किया जाता है। यह देखते हुए उसके अम्माँजी से अप न रखने की बात कहने की हिम्मत न होती।

3. विभाजन के संदर्भ में मोहन राकेश की कहानी 'मलबे का मालिक' के का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

निर्मल वर्मा की कहानी 'धूप का एक टुकड़ा' मूल संवेदना पर विचार क

4. शिल्प की दृष्टि से जैनेन्द्र की 'जाह्नवी' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'एक कमज़ोर लड़की' कहानी के अधार पर रूप की चारित्रिक विशेषताओं प्रकाश डालिए।

5. "टेपचू कभी मर नहीं सकता..... क्योंकि संघर्ष ही उसकी नियति है।"- कथन के संदर्भ में टेपचू के चरित्र का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

'पिकनिक' कहानी की विशेषताओं पर विचार कीजिए।

his question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

No. of Question Paper : 6096 **G**

ique Paper Code : 205401

me of the Paper : Adhunik Kavita-1

me of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

mester : IV

ration : 3 Hours Maximum Marks : 75

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** काव्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (8+8=16)

(क) हे ईश! बहु उपकार तुमने सर्वदा हम पर किये,
उपहार प्रत्युपकार में क्या दें तुम्हें इसके लिये?
है क्या हमारा सृष्टि में? यह सब तुम्हीं से है बनी,
सतत ऋणी हैं हम तुम्हारे, तुम हमारे हो धनी!

(ख) चढ़ रही थी धूप;
गर्मियों के दिन
दिवा का तमतमाता रूप;

P.T.O.

उठी झुलसाती हुई लू,

रुई ज्यों जलती हुई भू,

गर्द चिनगीं छा गयी,

प्राय: हुई दुपहर:-

वह तोड़ती पत्थर!

(ग) अपना खोया संसार न तुम पाओगी।

राधा माँ का अधिकार न तुम पाओगी।

छीनने स्वत्व उसका तो तुम आयी हो,

पर, कभी बात यह भी मन में लायी हो?

उसको सेवा, तुमको सुकीर्ति प्यारी है,

तुम ठकुरानी हो, वह केवल नारी है।

(घ) कोई नभ से आग उगलकर किये शान्ति का दान,

कोई माँज रहा हथकड़ियाँ छेड़ क्रान्ति की तान!

कोई अधिकारों के चरणों चढ़ा रहा ईमान,

'हरी घास शूली के पहले की'-तेरा गुण गान!

आशा मिटी, कामना टूटी, बिगूल बज पड़ी यार!

मैं हूँ एक सिपाही! पथ दे, खुला देख वह द्वार!!

निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो का रचना-कौशल (लगभग 150 शब्दों में) उद्घाटित कीजिए: (7+7=14)

(क) **निर्देश : स्वातंत्र्य भावना**

हिमाद्रि तुंग शृंग से
प्रबुद्ध शुद्ध भारती
स्वयम्प्रभा समुज्जवला
स्वतंत्रता पुकारती
'अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़ प्रतिज्ञ सोच लो
प्रशस्त पुण्य पंथ है,-बढ़े चलो, बढ़े चलो।'

(ख) **निर्देश : मित्रता**

लेकिन, यह होगा नहीं देवि! तुम जाओ
जैसे भी हो सुत का सौभाग्य मनाओ।
दे छोड़ भले ही कभी कृष्ण अर्जुन को
मैं नहीं छोड़ने वाला दुर्योधन को।

(ग) **निर्देश : यथार्थ बोध**

मरने में आदमी की कफ़न करते हैं तैयार
नहला धुला उठाते हैं, कांधे पे कर सवार
कलमा भी पढ़ते हैं, रोते हैं जार-जार
सब आदमी ही करते हैं मुर्दे का कारोबार

और वो जो मर गया है, सो है वो भी आदमी।

(घ) **निर्देश : राष्ट्रीय भावना**

वीरों का कैसा हो बसन्त?

आ रही हिमालय से पुकार,

है उदधि गरजता बार-बार

प्राची, पश्चिम, भू, नभ, अपार

सब पूछ रहे हैं दिग्-दिगन्त,

वीरों का कैसा हो बसन्त?

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (15 + 15 + 15=

(क) मैथिलीशरण गुप्त की काव्य भाषा का विश्लेषण कीजिए।

(ख) 'रश्मिरथी' के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) माखन लाल चतुर्वेदी के काव्य में राष्ट्रीय चेतना का मूल्यांकन कीं

(घ) जय शंकर प्रसाद के काव्य में प्रेम और सौन्दर्य-भावना का विश्ले कीजिए।

(ङ) सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य-सौष्ठव का मूल्यांकन कीजिए।

(च) 'तोड़ती पत्थर' कविता में कवि की सर्वहारा वर्ग के प्रति सहानुभूति पूँजीपति वर्ग के प्रति आक्रोश व्यक्त है, स्पष्ट कीजिए।

is question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

. No. of Question Paper : 6097 **G**

ique Paper Code : 205402

me of the Paper : प्रश्नपत्र–11 Samanya Bhasha Vigyan aur Hindi Bhasha

me of the Course : **B.A. (Hons) Hindi**

mester : IV

uration : 3 Hours Maximum Marks : 75

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

भाषा की परिभाषा तथा उसके अभिलक्षणों का विवेचन कीजिए।

अथवा

भाषा विज्ञान का स्वरूप बताते हुए विभिन्न अध्ययन पद्धतियों का परिचय दीजिए। (15)

2. ध्वनि-परिवर्तन की दिशाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

स्वनिम और संस्वन की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए दोनों में अंतर बताइए। (15)

P.T.O.

3. रचना के आधार पर वाक्य के प्रकार बताइए।

अथवा

शब्द और अर्थ के पारस्परिक संबंध का विवेचन करते हुए अर्थ-साधनों का उल्लेख कीजिए।

4. पश्चिमी हिन्दी की बोलियों का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था का परिचय दीजिए।

5. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ

(ख) स्वर का वर्गीकरण

(ग) वाक्य के निकटस्थ अवयव

6. किसी **एक** पर संक्षिप्त लेख लिखिए :

(क) पाणिनि का भाषा-चिंतन

(ख) सपीर का मौखिक विमर्श

(ग) बौद्ध-चिंतकों का भाषा संबंधी योगदान

is question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

No. of Question Paper : 6488 **G**

ique Paper Code : 205471

me of the Paper : हिन्दी साहित्य (DCC/Credit Course)

me of the Course : **बीएस. सी. ऑनर्स**

mester : IV

य : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(क) आदिकाल के नामकरण पर विचार कीजिए।

अथवा

"रीतिकाल पतन का काल है" इस कथन के आलोक में रीतिकाल पर टिप्पणी लिखिए। (7)

(ख) 'मध्यकालीन बोध' पर विचार कीजिए।

अथवा

P.T.O.

'आधुनिकता' का अर्थ स्पष्ट करते हुए आधुनिक बोध का परिचय दीजिए।

(ग) भारतेन्दु के नाटकों में नवजागरण के प्रभावों को स्पष्ट कीजि

अथवा

द्विवेदी युग में नवजागरण के स्वर पर प्रकाश डालिए।

2. (क) 'शांतिपाठ' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

अथवा

'जनतंत्र का जन्म' कविता का भाव लिखिए।

(ख) किन्हीं **दो** पद्यांशों के आधार पर उनके नीचे दिये गए प्रश्नों के दीजिए :

(8+

1 आज यह दीवार, परदों की तरह हिलने लगीं;
शर्त लेकिन थी कि ये बुनियाद हिलनी चाहिए।
हर सड़क पर, हर गली में, हर नगर, हर गाँव में,
हाथ लहराते हुए हर लाश चलनी चाहिए।

(i) उपर्युक्त पंक्तियों में 'बुनियाद' से क्या अभिप्राय है

(ii) उपर्युक्त पंक्तियों के कवि का नाम और कविता का लिखिए।

(iii) प्रस्तुत पंक्तियों का भाव लिखिए।

2. 'देश-प्रेम की भट्ठी जलाकर
मैं अपनी ठंडी मांसपेशियों की विदेशी मुद्रा में
ढाल रहा हूं
फूट पड़ने के पहले, अणुबम के मसौदे को बहसों की प्याली में
उबाल रहा हूं।'

(i) उपर्युक्त पंक्तियों के कवि का नाम और कविता का शीर्षक लिखिए।

(ii) 'बहसों की प्याली' से क्या अभिप्राय है ?

(iii) इन पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

3. भीतर भीतर सब रस चूसै।
हँसि हँसि कै तन मन धन मूसै।
जाहिर बातन में अति तेज
क्यों सखि सज्जन नहिं अंगरेज।

(i) उपर्युक्त पंक्तियों के कवि का नाम और कविता का शीर्षक लिखिए।

(ii) 'भीतर भीतर सब रस चूसै' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iii) उपर्युक्त पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

3. (क) 'दूध का दाम' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'विज्ञापन में बिकती नारी' का प्रतिपाद्य लिखिए।

(ख) किन्हीं दो गद्यांशों के आधार पर उनके नीचे दिए गए प्रश्नों के दीजिए :

1. लड़ाई के समय चाँद निकल आया था। ऐसा चाँद, जिसके से संस्कृत-कवियों का दिया हुआ 'क्षयी' नाम सार्थक होता और हवा ऐसी चल रही थी जैसी कि बाणभट्ट की भाषा 'दन्तवीणोपदेशाचार्य' कहलाती। वजीरासिंह कह रहा था कि मन-मन भर फ्राँस की भूमि मेरे बूटों से चिपक रही थी, जब दौड़ा-दौड़ा सूबेदार के पीछे गया था। सूबेदार लहनासिंह से सारा सुन और काग़ज़ात पाकर उसकी तुरन्त बुद्धि को सराह रहे थे तू न होता तो आज सब मर जाते।

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस रचना से लिया गया है ? लेखक का भी लिखिए।

(ii) प्रस्तुत गद्यांश के मूल भाव को स्पष्ट कीजिए।

2. घर फूँकने का अर्थ है धन और मान का मोह त्याग देना, भूत भविष्य की चिंता छोड़ देना और सत्य के सामने सीधे खड़े हों

जो कुछ भी बाधा हो, उसे निर्ममतापूर्वक ध्वंस कर देना। पर सत्यों का सत्य यह है कि लोग कबीरदास के साथ चलने की प्रतिज्ञा करने के बाद भी घर नहीं फूँक सके।

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस रचना से लिया गया है ? लेखक का नाम भी लिखिए।

(ii) प्रस्तुत गद्यांश के मूल भाव को स्पष्ट कीजिए।

3. जनसेवकजी ने संवाददाता को पोस्ट ऑफिस के काउंटर पर पकड़ा और उसे चाय की दुकान पर अपना बयान लिखाने के लिए ले गये। किंतु चाय की दुकान पर सुविधा नहीं हुई, तो उसे अपने डेरे पर ले गये। लिखो- "स्मरण रहे कि ऐसा बाढ़ .... बाढ़ स्त्रीलिंग है ? तब, ऐसी बाढ़ ही लिखो। हाँ, तो स्मरण रहे कि ऐसी बाढ़ इसके पहले कभी नहीं आयी...।"

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस रचना से लिया गया है ? लेखक का नाम लिखिए।

(ii) हाँ, तो स्मरण रहे कि ऐसी बाढ़ इसके पहले कभी नहीं आयी... पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(क) किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (3)

(i) लंगड़ कौन है ?

(ii) 'कोर्ट मार्शल' नाटक में किस समस्या को उठाया

(iii) 'राग दरबारी' उपन्यास में वैद्य जी कौन हैं ?

(iv) गुलनार कौन थी ?

(ख) किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

(i) माधवी कौन है ? उसका गालव से क्या रिश्ता है ?

(ii) रामचंदर ने बलिवान सिंह की ड्यूटी बदलने के लिए क
था ?

(iii) गालव माधवी को क्यों अस्वीकार करता है ?

(iv) कैप्टन कपूर अपने फ्री राशन का क्या करता था ?

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7678 **F-8**

Unique Paper Code : 2051401

Name of the Paper : Bhasha Vigyan Aur Hindi

Name of the Course : **B.A. (H.) Hindi**

Semester : IV

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

1. भाषाविज्ञान का अभिप्राय बताते हुए उसके अध्ययन की विभिन्न पद्धतियों को स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

व्यंजन किसे कहते हैं ? प्रयत्न के आधार पर इनका वर्गीकरण कीजिए।

2. शब्द से क्या तात्पर्य है ? उत्पत्ति के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण कोजिए। (15)

P.T.O.

अथवा

पारिभाषिक शब्द की अवधारणा का विस्तार से विवेचन कीजिए।

3. वाक्य की परिभाषा बताते हुए रचना की दृष्टि से वाक्य के विभिन्न प्रकारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

अर्थ को स्पष्ट करते हुए, अर्थ परिवर्तन के कारणों पर प्रकाश डालिए।

4. हिंदी भाषा के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

समाज भाषाविज्ञान से आप क्या समझते हैं ? भाषा और समाज के अन्त:संबंधों का विवेचन कीजिए।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :-

(क) हिंदी के खंड्य स्वनिम;

(ख) भाषा और लिंग;

(ग) शब्द और पद में अंतर;

(घ) स्वर और व्यंजन में अंतर। (8+7)

his question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

. No. of Question Paper : 9205 GC

nique Paper Code : 12051401

ame of the Paper : Bhartiya Kavyashastra
(भारतीय काव्यशास्त्र)

ame of the Course : B.A. (Hons.) Hindi (CBCS)

emester : IV

uration : 3 Hours Maximum Marks : 75

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

'कवि की काव्य-रचना सोद्देश्य होती है'। इस कथन के संदर्भ में काव्य-प्रयोजन पर प्रकाश डालिए। (12)

2. रस की परिभाषा देते हुए रस के स्वरूप पर विचार कीजिए।

अथवा

P.T.O.

व्यंजना शब्द-शक्ति का भेदों सहित विवेचन कीजिए।

3. नाटक अथवा महाकाव्य का तात्त्विक विवेचन कीजिए।

4. (क) किन्हीं तीन अलंकारों के लक्षण-उदाहरण लिखिए -

उपमा	यमक	विरोधाभास
विशेषोक्ति	व्यतिरेक	उत्प्रेक्षा

(ख) किन्हीं तीन छंदों के लक्षण-उदाहरण लिखिए -

चौपाई	सोरठा	उल्लाला
छप्पय	भुजंगप्रयात	घनाक्षरी

5. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए -

(क) भामह के अनुसार काव्य-लक्षण

(ख) काव्य-हेतु

(ग) शृंगार रस

(घ) ओज गुण

(ङ) यमक और श्लेष में अंतर

his question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

. No. of Question Paper : 9206 **GC**

nique Paper Code : 12051402

ame of the Paper : Hindi Kavita (Chayavad ke Baad)
(हिंदी कविता छायावाद के बाद)

ame of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

emester : IV

uration : 3 hours Maximum Marks : 75

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सप्रसंग व्याख्या कीजिए - (7.5×2=15)

(क) अगर मैं तुमको ललाती सांझ के नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता,
या शरद के भोर की नीहार - न्हायी कुँई,

P.T.O.

टटकी कली चम्पे की, वगैरह, तो

नहीं, कारण कि मेरा हृदय उथला या कि सूना है

या कि मेरा प्यार मैला है।

बल्कि केवल यही: ये उपमान मैले हो गए हैं।

देवता इन प्रतीकों के कर गए हैं कूच।

कभी बासन अधिक घिसने से मुलम्मा छूट जाता है।

अथवा

राष्ट्रगीत में भला कौन वह

भारत-भाग्य विधाता है

फटा सुथन्ना पहने जिसका

गुन हरचरना गाता है

मखमल टमटम बल्लम तुरही

पगड़ी छत्र चँवर के साथ

तोप छुड़ाकर ढोल बजाकर

जय-जय कौन कराता है।

पूरब-पश्चिम से आते हैं

नंगे-बूचे नरकंकाल

(ख) राँपी से उठी हुई आँखों ने मुझे
क्षण-भर टटोला
और फिर
जैसे पतियाये हुये स्वर में
वह हँसते हुये बोला-
बाबूजी सच कहूँ-मेरी निगाह में
न कोई छोटा है
न कोई बड़ा है
मेरे लिए, हर आदमी एक जोड़ी जूता है
जो मेरे सामने
मरम्मत के लिये खड़ा है।

अथवा

सब उधार का, माँगा-चाहा
नमक-तेल, हींग-हल्दी तक
सब कर्जे का
यह शरीर भी उनका बंधक
अपना क्या है इस जीवन में
सब तो लिया उधार
सारा लोहा उन लोगों का
अपनी केवल धार।

06

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो का रचना-कौशल की दृष्टि से ... कीजिए -

(क) पिछले साठ बरसों से
एक सुई और तागे के बीच
दबी हुई है माँ
हालाँकि वह खुद एक करघा है
जिस पर सांठ बरस बुने गए हैं
धीरे-धीरे तह पर तह
खूब मोटे और गझिन और खुरदुरे
साठ बरस

(काव्य - सौन्दर्य ...

(ख) देश हैं हम
महज राजधानी नहीं।
हम नगर थे कभी
खण्डहर हो गए,
जनपदों में बिखर
गाँव घर हो गए,
हम ज़मीं पर लिखे
आसमाँ के तले
एक इतिहास जीवित,
कहानी नहीं।

(बदलता सामाजिक ...

(ग) कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं

सुबह सुबह

बच्चे काम पर जा रहे हैं

हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह

भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना

लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह

काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे ?

(सामाजिक संवेदनहीनता)

अज्ञेय की काव्य कला का विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

'मोचीराम' कविता के आधार पर धूमिल की काव्य संवेदना पर प्रकाश डालिए।

नागार्जुन काव्य की शिल्पगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (15)

अथवा

रघुवीर सहाय की कविताओं में अभिव्यक्त राजनैतिक-सामाजिक सरोकार स्पष्ट कीजिए।

5. राजेश जोशी की कविता में व्यक्त स्वप्न और यथार्थ का चित्रण

अथवा

केदारनाथ सिंह की कविताओं के भाव-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

his question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

. No. of Question Paper : 9207 GC

nique Paper Code : 12051403

ame of the Paper : Hindi Paper-X (Hindi Upanyas)

ame of the Course : **B.A. (H) Hindi (CBCS)**

emester : IV

मय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : (7.5×2=15)

(क) कुछ देर के बाद सड़क पर सन्नाटा था, सावन की निद्रा-सी काली रात संसार को अपने अंचल में सुला रही थी और मोटर अनन्त में स्वप्न की भाँति उड़ी चली जाती थी। केवल देह में ठण्डी हवा लगने से गति का ज्ञान होता था। इस अन्धकार में सुखदा के अन्तस्तल में एक प्रकाश-सा उदय हुआ। कुछ वैसा ही प्रकाश, जो हमारे जीवन की अन्तिम घड़ियों में उदय होता है, जिसमें मन की सारी कालिमाएँ, सारी ग्रन्थियाँ, सारी विषमताएँ अपने यथार्थ रूप में नज़र आने लगती हैं।

P.T.O.

अथवा

और सचमुच इससे इनके जीवन में भराव भी आता लगा। उन्हें हँसना-बोलना अब कठिन नहीं होता है। मिलकर परामर्श को योजनाएँ बनाते हैं। दुनिया में बाहर आकर एक को दूसरे की आवश्य की कीमत लगती है। संयुक्तता का स्वाद घर से बाहर मालूम है। घर जब एक सदा ही दूसरे के सामने उपस्थित रहता है, औ उन्हें परस्पर के अभाव को अनुभव करने का तनिक भी अवकाश होता, तब एक की दूसरे में दिलचस्पी स्वभावतः फीकी-सी पड़ती है। अब खुली दुनिया में आकर वह पग-पग पर दो के एक ही की महत्ता का अनुभव करते हैं।

(ख) उसका पोषण भी धात्री के स्तन से हुआ था। क्या यह उसी कर्म फल है ? बौद्ध श्रमण कहते हैं- मनुष्य अपने कर्म से ही दुख है परन्तु मेरे बच्चे का क्या कर्म है ? अभी तो उत्पन्न ही हुआ उत्पन्न होने से पूर्व ही उसका कर्मफल फूट गया ? वह भी नहीं जा कि किस कर्म का दण्ड वह भोग रहा है। यह भी नहीं जानता वह दण्ड भोग रहा है। हे देवता, अपना अपराध या दुष्कर्म जाने यह अबोध बालक दुष्कर्म से बचने का निश्चय कैसे करे ? यदि दु मैंने किया है तो दण्ड और भोग के लिये प्रस्तुत हूँ।

पहले वह कुछ भी जानता-समझता नहीं था। जानने-समझने की कोई इच्छा भी नहीं थी। पर अब जानने लगा है। और जितना जानता है, उससे बहुत ज्यादा जानने की इच्छा है, बल्कि सब कुछ जान लेने की इच्छा है। उसे मालूम है कि चाचा पापा के पास से आते हैं, और आने पर पापा की बातें करते हैं। क्या बातें करते रहे हैं, उसे नहीं मालूम।

किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (7.5×2=15)

(क) "दिव्या" उपन्यास की भाषा।

(ख) शकुन का चरित्र-चित्रण।

(ग) सुखदा के चरित्र की विशेषताएँ।

(घ) "सुनीता" का उद्देश्य।

'कर्मभूमि' उपन्यास की कथा-वस्तु की समीक्षा कीजिए। (15)

अथवा

'कर्मभूमि' उपन्यास स्वाधीनता संग्राम की पृष्ठभूमि है।' इस कथन की विवेचना कीजिए।

'आपका बंटी' उपन्यास-कला की दृष्टि से एक सफल रचना है। स्पष्ट कीजिए। (15)

P.T.O.

अथवा

'आपका बंटी' एक मनोवैज्ञानिक उपन्यास है । इस कथन की वि
कीजिए ।

5. 'सुनीता' उपन्यास के आधार पर सुनीता का चरित्र-चित्रण की

अथवा

'दिव्या' उपन्यास में इतिहास और कल्पना का अद्‌भुत समन्वय हुअ
कीजिए ।

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 9297 **GC**

Unique Paper Code : 12053407

Name of the Paper : भाषा और समाज
Bhasha Aur Samaj

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi CBCS SEEC**

Semester : IV

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भाषा सामाजिक संरचना के अनुरूप अपना आकार ग्रहण करती चलती है। भाषा और समाज के संदर्भ में समझाइए।

अथवा

समाजभाषाविज्ञान के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (15)

2. भाषा और समुदाय के पारस्परिक संबंध पर प्रकाश डालिए।

अथवा

P.T.O.

द्विभाषिकता की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसका महत्व बताइए। (15)

3. शिक्षित एवं अशिक्षित वर्ग की भाषा में अन्तर बताते हुए दिल्ली महानगर के विभिन्न वर्गों के भाषा व्यवहार पर विचार कीजिए।

अथवा

भाषा, वर्ग को किस प्रकार व्याख्यायित करती है। सोदाहरण समझाइए। (15)

4. भाषा सर्वेक्षण के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आधुनिकीकरण और तकनीकी ने भाषा को नवीन आयाम प्रदान किए हैं। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (15)

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) भाषायी संदर्भ : व्यक्ति और समाज

(ख) सामाजिक भाषा व्यवहार

(ग) भाषा और जेंडर

(घ) नवीन भाषा प्रयोग और सोशल मीडिया (8,7)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 9403 GC

Unique Paper Code : 12055401

Name of the Paper : हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य

Name of the Course : B.A (H) Hindi CBCS (GE)

Semester : IV

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. गिरमिटिया मजदूरों का हिन्दी भाषा के विकास में योगदान स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

वैश्वीकरण के दौर में हिन्दी भाषा के वैश्विक स्वरूप पर विचार कीजिए।

2. भारतेतर हिन्दी के किन्हीं दो रचनाकारों का संदर्भ देते हुए विश्व में हिन्दी की स्थिति को स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

P.T.O.

संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी की स्थिति पर विचार कीजिए।

3. 'हिन्दी सिनेमा विश्व के अन्य देशों के भारत के साथ सांस्कृतिक संवाद में अ विशिष्ट भूमिका निभाता है।' - इस कथन के सम्बन्ध में अपने विचार व कीजिए। (1

अथवा

'हिन्दी सिनेमा ने विश्व में हिन्दी की अलग दुनिया का निर्माण किया है विवेचन कीजिए।

4. 'अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन भाषा के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं' अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन के सम्बन्ध में इस कथन का विश्लेषण कीजिए (15)

अथवा

बाजारीकरण के दौर में हिन्दी भाषा को किन वैश्विक चुनौतियों का सामना करन पड़ रहा है ?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (8 + 7 = 15)

(क) फीजी अथवा सूरीनाम की हिन्दी भाषा

(ख) यूरोप में हिन्दी

(ग) राजकपूर की फिल्मों का वैश्विक संदर्भ

(घ) किसी एक अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन का परिचय

This question paper contains 2 printed pages.

Your Roll No. .....

GC-4

Sl. No. of Ques. Paper: **8753**

Unique Paper Code : **12055206**

Name of Paper : **Patakatha Tatha Samvad Lekhan**
(पटकथा तथा संवाद लेखन)

Name of Course : **Generic Elective : Hindi for Hons.**

Semester : **II/IV**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'पटकथा पट के लिए लिखी गयी कथा है'— इस कथन को स्पष्ट करते हुए पटकथा की अवधारणा पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 14

अथवा

पटकथा के स्वरूप की चर्चा करते हुए स्पष्ट कीजिए कि दृश्य पटकथा की सबसे छोटी इकाई कैसे है। 14

2. फ़ीचर फ़िल्म के सन्दर्भ में पटकथा-लेखन की विधि पर प्रकाश डालिए। 14

अथवा

किसी साहित्यिक कृति को पटकथा में ढालते हुए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? सोदाहरण चर्चा कीजिए।

3. संवाद से आप क्या समझते हैं? संवाद का संरचना को सोदाहरण समझाइए। 14

अथवा

कथा-आधारित दृश्य-श्रव्य विधाओं के लिए संवाद के महत्व पर प्रकाश डालिए। 14

4. फ़ीचर-फ़िल्म एवं डाक्यूमेंट्री के संवाद-लेखन के अन्तर को स्पष्ट कीजिए। 14

अथवा

टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले किसी एक धारावाहिक के संवादों का विश्लेषण कीजिए। 14

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:

(क) कथा और पटकथा में अन्तर

(ख) दृश्य और शॉट का अंतर

(ग) टीवी धारावाहिक के संवाद की सामान्य विशेषताएं

(घ) किसी फ़िल्म के चर्चित संवाद का विश्लेषण

(ङ) डाक्यूमेंट्री। 14

This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

r. No. of Question Paper : 6099 **G**

nique Paper Code : 205601

ame of the Paper : रचनात्मक लेखन

ame of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

emester : VI

uration : 3 Hours Maximum Marks : 75

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

कथा-साहित्य की आधारभूत संरचना पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

नाट्य-साहित्य में परिवेश की भूमिका का विवेचन कीजिए।

कविता में संवेदना की भूमिका स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

निबंध के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

3. टेलीविजन पटकथा लेखन की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजि

अथवा

सूचना तंत्र में फीचर-लेखन का महत्त्व रेखांकित कीजिए।

4. टिप्पणी लिखिए:

(क) बाल साहित्य

अथवा

शब्द-शक्ति का महत्व।

(ख) औपचारिक-अनौपचारिक भाषा

अथवा

मानक भाषा।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए-

(क) रचनात्मक लेखन की अवधारणा।

(ख) विज्ञापन का महत्त्व।

(ग) संपादन

(घ) पुस्तक-समीक्षा

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6100 **G**

Unique Paper Code : 205602

Name of the Paper : Hindi Bhasha ki Sanrachna

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. भाषा के आधुनिकीकरण को स्पष्ट करते हुए इसकी प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

हिंदी के जनपदीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ पर विचार कीजिए।

2. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था का विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

हिंदी की आक्षरिक व्यवस्था को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

3. हिंदी के शब्द-वर्गों में से संज्ञा और सर्वनाम का परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी के मिश्र और संयुक्त वाक्यों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

4. हिंदी के अनेकार्थी और पर्यायवाची शब्दों की आर्थी संरचना पर प्रक
डालिए।

अथवा

उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के विभिन्न स्रोतों का परिचय दीजिए।

5. टिप्पणी लिखिए :-

(क) कामताप्रसाद गुरु **अथवा** किशोरीदास वाजपेयी के हिंदी व्याकरण की प्रमुख प्रवृत्तियां। (8)

(ख) हिंदी वर्तनी की आधारभूत समस्याएं **अथवा** बलाघात और संहिता। (7)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6103 G

Unique Paper Code : 205605

Name of the Paper : MEDIA–I – अवधारणामूलक

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. इंटरनेट ब्लॉगिंग पत्रकारिता के महव को रेखांकित कीजिए।

अथवा

रेडियो कार्यक्रम निर्माण-प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए। (15)

2. व्यावसायिक पत्रकारिता की चुनौतियों का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

गाँधी युग की हिंदी पत्रकारिता की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (15)

3. कंप्यूटर ने समकालीन मुद्रण-कला में व्यापक बदलाव किए हैं - समीक्षा कीजिए।

अथवा

समाचार-पत्रों की डिजाइनिंग में हो रहे बदलावों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए। (15)

4. समाचार-पत्रों की संपादन-प्रक्रिया का निरूपण कीजिए।

अथवा

मीडिया में आचार संहिता के सवालों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (15)

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

(क) यूनीकोड

(ख) ले-आउट

(ग) प्रसारण-प्रक्रिया

(घ) प्रसार भारती

(8,7)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : **6105** **G**

Unique Paper Code : 205607

Name of the Paper : भाषा शिक्षण और हिंदी भाषा

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : VI

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. उच्चशिक्षा के स्तर पर मातृभाषा के रूप में हिंदी भाषा शिक्षण पर विचार कीजिए। (15)

अथवा

द्वितीय भाषा के रूप में विजातीय भाषा वर्ग के संदर्भ में हिंदी शिक्षण पर प्रकाश डालिए।

2. भाषा शिक्षण के संदर्भ में एक अच्छे परीक्षण की विशेषताएँ विस्तार से बताइए। (15)

अथवा

भाषा शिक्षण में मूल्यांकन की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए मूल्यांकन के प्रमुख प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

3. द्वितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना स्पष्ट करते हुए दोनों में ... बताइए। (1...

अथवा

सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण की संकल्पना पर वि... कीजिए।

4. भाषाई कौशल का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके प्रकारों का उल्ले... कीजिए। (10...

अथवा

मौखिक वार्तालाप विधि एवं संरचनात्मक विधि का परिचय दीजिए।

5. भाषा-शिक्षण के विभिन्न संदर्भों का परिचय देते हुए किसी एक संदर्भ प... संक्षेप में टिप्पणी लिखिए। (9)

अथवा

भाषा शिक्षण के राष्ट्रीय एवं सामाजिक संदर्भ पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

6. भाषा-शिक्षण के संदर्भ में सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन को स्पष्ट करते हुए किसी एक पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। (8)

अथवा

व्यक्तित्व के विकास में मातृभाषा शिक्षण की उपादेयता स्पष्ट कीजिए।

7. श्रवण एवं लेखन कौशल के विकास की तकनीक पर विचार कीजिए। (8)

अथवा

अन्य भाषा शिक्षण की विभिन्न विधियों का उल्लेख करते हुए भाषा-शिक्षण की द्विभाषिक विधि का विस्तृत विवेचन कीजिए।

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6108 **G**

Unique Paper Code : 205610

Name of the Paper : PAPER 20 : MEDIA–II
(अवधारणा एवं व्यवहारमूलक)

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. संचार माध्यमों के लिए लेखन के मूलभूत सिद्धांत स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संचार माध्यमों के लिए सर्जनात्मक लेखन की शिल्पविधि पर प्रकाश डालिए। (15)

2. प्रिंट मीडिया के लिए साक्षात्कार लेखन की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

P.T.O.

किसी दैनिक समाचार-पत्र के लिए 'बसंत ऋतु' पर एक फिचर लिखिए। (15)

3. रेडियो के लिए समाचार लेखन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'पर्यावरण संरक्षण' पर रेडियो के लिए एक परिचर्चा तैयार कीजिए। (15)

4. टेलीविजन के लिए तैयार किए जाने वाले दृश्यलेख की विशिष्टताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

किसी लोकप्रिय टेलीविजन धारावाहिक की समीक्षा कीजिए। (15)

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) बच्चों पर केन्द्रित कार्यक्रम के लिए लेखन

(ख) संवाद लेखन

(ग) टेलीफिल्म

(घ) फीचर फिल्म की पटकथा

(8,7)

is question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

No. of Question Paper : 8579 GC-4

ique Paper Code : 62051202

me of the Paper : MIL, Hindi Bhasha Aur Sahitya-A

me of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi A**

mester : II

य : 3 घंटे पूर्णांक : 75

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सप्रंग व्याख्या कीजिए:

(क) करता था तौ क्यूं रह्या, अब करि क्यूं पछताइ।। (10×3=30)

बोवै पेड़ वबूल का, अंब कहाँ तैं खाइ।।

जांनि बूझि साचहिं तजैं, करैं झूठ सूँ नेह।

ताकी संगति राम जी, सुपिनैं ही जिनि देहु।।

अथवा

P.T.O.

हरि म्हारा जीवण प्राण अधार।। टेक।।

और आसिरा णा म्हारा थें विण, तीनूं लोक मँझार।

थें विण म्हाणे जग णा सुहावाँ, निरख्याँ सब संसार।

मीरा रे प्रभु दासी रावली, लीज्यो णेक णिहार।।

(ख) वे न इहाँ नागर, बढ़ी जिन आदर तो आब।

फूल्यौ अनफूल्यौ भयौ, गवँई-गाँव, गुलाब।।

नीच हियैं हुलसे रहैं गहे गेंद के पोत।

ज्यौं ज्यौं माथैं मारियत, त्यौं-त्यौं ऊँचे होत।

अथवा

हीन भएँ जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समानै।

नीर सनेही कों लाय कलंक निरास ह्वै कायर त्यागत प्रानै।

प्रीति की रीति सु क्यौं समझैं जड़ मीत के पानि परे को प्रमानै।

या मन की जु दसा घनआनँद जीवन की जीवनि जान ही जानै।।

(ग) सब लोग हिल मिलकर चलो, पारस्परित ईर्ष्या तजो,

भारत न दुर्दिन देखता, मचता महाभारत न जो,

79

हो स्वप्नतुल्य सदैव को सब शैर्य्य सहसा खो गया,

हा! हा! इसी समराग्नि में सर्वस्व स्वाहा हो गया।।

अथवा

तू तरुण देश से पूछ अरे,

गूँजा कैसा यह ध्वंस-राग?

अम्बुधि-अन्तस्तल-बीच छिपी,

यह सुलग रही है कौन आग?

प्राची के प्रागंण-बीच देख,

जल रहा स्वर्णयुग-अग्निज्वाल,

तू सिंहनाद कर जाग तपी!

मेरे नगपति! मेरे विशाल।

किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए: (10)

(क) कबीर;

(ख) मीराँ

3. बिहारी के पदों पर प्रतिपाद्य लिखिए।

अथवा

घनानन्द की प्रेम-व्यंजना के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

4. नागार्जुन की कविता 'बादल को घिरते देखा है' के काव्य सौन्दर्य प
कीजिए।

अथवा

प्रसाद की काव्य-भाषा का विश्लेषण कीजिए।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए: (5

(i) हिंदी भाषा का विकास;

(ii) खड़ी बोली;

(iii) आदिकाल का नामकरण;

(iv) राम काव्य;

(v) छायावादी कविता;

(vi) रीति बद्ध काव्य।

This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

No. of Question Paper : 8580 GC-4

nique Paper Code : 62051203

me of the Paper : Hindi – B

me of the Course : **B.A. (Prog.) CBCS**

mester : II

ration : 3 Hours Maximum Marks : 75

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) सात समंद की मसि करौ, लेखनि सब बनराइ।

धरती सब कागद करौ, तऊ हरि गुण लिख्या न जाइ।

अथवा

सटपटाति सी ससिमुखी, मुख घूंघट पट ढाकि।

P.T.O.

पावक झर सी झमकि कै, गई झरोखा झांकि।

(ख) कृपासिंधु बोले मुसुकाई, सोइ करू जेहिं तव नाव न जाई।

बेगि आनु जल पाय पखारू, होत बिलंबु उतारहि पारू।

अथवा

इंद्र जिमि जम्भ पर बाड़व सुंअभ पर, रावण सदम्भ पर रघुकुल

पौन बारिबाह पर संभु रतिनाह पर, ज्यौं सहस्रबाहु पर राम द्विजरा

दावा द्रुमदंड पर चीता मृग झुंड पर, भूषन बितुंड पर जैसे मृगराज

तेज तम अंस पर कान्ह जिमि कंस पर, यों मलेच्छ-बंस पर सेर सि

(ग) मेरा मंदिर, मेरी मस्जिद

काबा-काशी यह मेरी।

पूजा-पाठ, ध्यान-जप-तप है

घट-घट वासी यह मेरी।

अथवा

नव गति, नव लय, ताल-छंद नव

0

नवल कंठ, नव जलद-मंदर रव;

नव नभ के नव विहाग-वृन्द को

नव पर, नव स्वर दे! (10)

(ख) सुभद्रा कुमारी चौहान अथवा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का साहित्यिक परिचय दीजिए। (10)

(ग) पाठ्य-क्रम में निर्धारित कबीर अथवा भूषण की कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए। (10)

(घ) केवट प्रसंग अथवा बालिका का परिचय कविता का सार लिखिए। (10)

(ङ)(क) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए (5)

(i) हिन्दी का विकास;

(ii) खड़ी बोली हिन्दी।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: (5+5=10)

(i) आदिकाल का नामकरण;

(ii) कृष्णभक्ति काव्य:

(iii) रीतिबद्ध काव्य;

(iv) प्रगतिवाद।

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 8665

Unique Paper Code : 72052802 GC-4

Name of the Paper : हिन्दी भाषा और संप्रेषण

Name of the Course : B.A. (Prog.) CBCS (AECC)

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. संप्रेषण का अर्थ बताते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'अर्थ-संप्रेषण' भाषा का सबसे प्रमुख कार्य है । इस कथन पर विचार कीजिए । 10

2. भ्रामक संप्रेषण (miscommunication) की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए संप्रेषण में आने वाली बाधाओं का उल्लेख कीजिए ।

P.T.O.

वैयक्तिक और सामाजिक सम्प्रेषण का अर्थ स्पष्ट करते हुए दोनों में अन्तर बताइए । 10

3. संप्रेषण के माध्यमों का उल्लेख करते हुए संप्रेषण में 'सामूहिक चर्चा' के महत्व पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

संप्रेषण के माध्यमों में 'संवाद' की भूमिका को स्पष्ट कीजिए । 10

4. भाषिक क्षमता की दृष्टि से 'गहन अध्ययन' की भूमिका पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

विश्लेषण और व्याख्या किस तरह संप्रेषण को सहज और प्रभावी बनाते हैं, स्पष्ट कीजिए । 10

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए : 6,6,6

(i) संप्रेषण के मॉडल **अथवा** संप्रेषण की चुनौतियाँ

(*ii*) लिखित संप्रेषण **अथवा** मौखिक संप्रेषण

(*iii*) संप्रेषण-प्रक्रिया **अथवा** व्यावसायिक संप्रेषण ।

6. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए : 6,6,5

(*i*) सार **अथवा** अन्वय

(*ii*) एकालाप **अथवा** प्रभावी संप्रेषण

(*iii*) अनुवाद प्रक्रिया **अथवा** अनुवाद के प्रकार ।

is question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

No. of Question Paper : 8844 GC

ique Paper Code : 62051404

me of the Paper : Hindi 'A'

me of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi 'A'**

nester : IV

ration : 3 Hours Maximum Marks : 75

tructions for Candidates

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

All questions are compulsory.

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- (20)

(क) मधूलिका ने राजा का प्रतिदान, अनुग्रह नहीं लिया। वह दूसरे खेतों में काम करती और चौथे पहर रूखी-सूखी खाकर पड़ी रहती। मधूक वृक्ष के नीचे छोटी-सी पर्ण कुटी थी। सूखे डंठलों से उसकी दीवार बनी थी। मधूलिका का वही आश्रम था। कठोर परिश्रम से जो रूखा अन्न

मिलता, वही उसकी साँसों को बढ़ाने के लिए पर्याप्त था। ... पर भी उसके अंग पर तपस्या की कान्ति थी। आस-पास के ... उसका आदर करते थे। वह एक आदर्श बालिका थी।

अथवा

गनी ने देखा कि पहलवान के होंठ सूख रहे हैं और उसकी ... के गिर्द दायरे गहरे हो गए हैं। वह उसके कन्धे पर हाथ रखकर ... 'जो होना था, हो गया रक्खिया! उसे अब कोई लौटा थोड़े ही ... है! खुदा नेक की नेकी बनाए रखे और बद की बदी माफ करे ... आकर तुम लोगों को देख लिया, सो समझूंगा कि चिराग को देख ... अल्लाह तुम्हें सेहतमन्द रखें।'

(ख) अभिषेक की बात चली, मन में अभिषेक हो गया और मन में राम ... साथ राम का मुकुट प्रतिष्ठित हो गया। मन में प्रतिष्ठित हुआ, ... राम ने राजकीय वेश उतारा, राजकीय रथ से उतरे, राजकीय भोग ... परिहार किया, पर मुकुट तो लोगों के मन में था, कौशल्या के मातृ- ... में था, वह कैसे उतरता, वह मस्तक पर विराजमान रहा और राम ... तो भीगे, मुकुट न भीगने पाए, इसकी चिंता बनी रही।

अथवा

गौतम ने ठीक ही कहा था कि मनुष्य की मनुष्यता यही है कि ... सबके दुःख-सुख को सहानुभूति के साथ देखता है। यह आत्म-नि...

44

बन्धन ही मनुष्य को मनुष्य बनाता है। अहिंसा, सत्य और अक्रोधमूलक धर्म का मूल उत्स यही है। मुझे आश्चर्य होता है कि अनजान में भी हमारी भाषा में यह भाव कैसे रह गया है। लेकिन मुझे नाखून के बढ़ने पर आश्चर्य हुआ था।

कहानी की विकास-यात्रा को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

संस्मरण और रेखाचित्र का सामान्य परिचय दीजिए।

'नमक का दरोगा' कहानी यथार्थ से आदर्श की यात्रा है'-मूल्यांकन कीजिए। (12)

अथवा

'मैं हार गई' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है' निबन्ध का प्रतिपाद्य लिखिए। (12)

अथवा

'उत्साह' निबंध का सार लिखिए।

5. 'अंधेर-नगरी' नाटक की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। (12)

अथवा

'घीसा' का चरित्र मर्मस्पर्शी है-विवेचन कीजिए।

6. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए।

(क) प्रेमचंदयुगीन उपन्यास;

(ख) भारतेंदुयुगीन नाटक।

is question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

No. of Question Paper : 8845

GC

ique Paper Code : 62051412

me of the Paper : हिन्दी भाषा और साहित्य

me of the Course : B.A. (Programme) Hindi-B

nester : IV

ration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

ों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निबंध के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

कहानी की परिभाषा देते हुए उसके विकास को स्पष्ट कीजिए।

'बूढ़ी काकी' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए। (12)

अथवा

'उसने कहा था' कहानी की मूल-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

'मेले का ऊंट' निबंध का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। (12)

00)

P.T.O.

अथवा

'सदाचार का ताबीज' निबंध भ्रष्ट व्यवस्था का यथार्थ चित्र प्रस्तुत करता है। स्पष्ट कीजिए।

4. 'अंधेर नगरी नाटक के कथानक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'बिबिया नारी की पीड़ा व्यक्त करने वाली रचना है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रसंगों की व्याख्या कीजिए-

(क) चार दिन तक पलक नहीं झाँपी। बिना फेरे घोड़ा बिगड़ता है और बिना लड़े सिपाही। मुझे तो संगीन चढ़ाकर मार्च का हुकुम मिल जाए। तो सात जर्मनों को अकेला मारकर लौटूँ तो मुझे दरबार साहब की देहली पर मत्था टेकना नसीन न हो। पाजी कहीं के, कलों के घोड़े - संगीन देखते ही मुँह फाड़ देते हैं और पैर पकड़ने लगते हैं। यों अंधेरे में तीस-तीस मन का एक गोला फेंकते हैं। उस दिन धावा किया था चार मील तक एक जर्मन नहीं छोड़ा था। पीछे जनरल साहब ने हट आने का कमान दिया, नहीं तो.....।

अथवा

पहली बार आपकी बुद्धि पर अफसोस हुआ था। भाई! आपकी दृष्टि गिद्ध की सी होना चाहिए, क्योंकि आप सम्पादक हैं। किन्तु आपकी दृष्टि

345

गिद्ध की सी होने पर भी उस भूखे गिद्ध की सी निकली जिसने ऊँचे आकाश में चढ़े-चढ़े भूमि पर एक गेहूँ का दाना पड़ा देखा पर उसके नीचे जो जाल बिछ रहा था वह उसे न समझा। यहाँ तक कि उस गेहूँ के दाने को चुगने से पहले जाल में फँस गया।

(ख) महाराज, भ्रष्टाचार और सदाचार मनुष्य की आत्मा में होता है; बाहर से नहीं होता। विधाता जब मनुष्य को बनाता है तब किसी आत्मा में ईमान की कल फिट कर देता है और किसी की आत्मा में बेईमानी की। इस कल में से ईमान या बेईमानी के स्वर निकलते हैं, जिन्हें 'आत्मा की पुकार' कहते हैं। आत्मा की पुकार के अनुसार ही आदमी काम करता है। प्रश्न यह है कि जिनकी आत्मा से बेईमानी के स्वर निकलते हैं, उहें दबाकर ईमान के स्वर कैसे निकाले जाएँ?

अथवा

अन्धेर नगरी अनबूझ राजा। टका सेर भाजी टका सेर खाजा।।
नीच ऊँच सब एकहि ऐसे। जैसे भँडुए पण्डित तैसे।।
कुल-मरजाद न मान बड़ाई। सबै एक से लोग-लुगाई।।
जात-पाँत पूछे नहिं कोई। हरि को भजै सो हरि का होई।

निम्नलिखित मे से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए। (7)

(क) नाटक और एकांकी में अंतर

अथवा

(ख) शुक्ल पूर्व निबंध का विकास

अथवा

(ग) हिन्दी आलोचना

This question paper contains 4+1 printed page

Roll No. [| | | | | |]

S. No. of Question Paper : **5584**

Unique Paper Code : **205639**

Name of the Paper : **Hindi A**

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **VI**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. (क) किसी **एक** अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

(*i*) अचल के शिखरों पर जा चढ़ी
किरण-पादप-शीश-विहारिणी।
तरणि-बिंब तिरोहित हो चला।
गगन-मंडल मध्य शनैः शनैः॥

(*ii*) गगन मंडल में रज छा गई।
दश-दिशा बहु शब्द-मयी हुई॥
विशद-गोकुल के प्रति-गेह में
बह चला वर-स्रोत विनोद का॥

P.T.O.

5584

(*iii*) इस उम्र में लड़कियाँ बहुत नादान होती हैं और जो कोई भी चार मीठी बातें करता है तो लड़कियाँ समझती हैं कि इससे ज्यादा प्यार उन्हें और कोई नहीं करता। और इस उम्र में जो कोई भी ऐरा-गैरा उनके संसर्ग में आ जाता है, उसे वे प्यार का देवता समझने लगती हैं और नतीजा यह होता है कि वे ऐसे जाल में फँस जाती हैं कि जिन्दगी भर उससे छुटकारा नहीं मिलता।

2. 'नीलदेवी' नाटक के आधार पर 'सूर्यदेव' का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'नीलदेवी' की रंगमचीयता पर विचार कीजिए। 12

3. 'प्रियप्रवास' के आधार पर कृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'प्रियप्रवास' की कथावस्तु पर विचार करते हुए उसके शीर्षक की सार्थकता का मूल्यांकन कीजिए। 12

4. 'गुनाहों का देवता' के आधार पर 'सुधा' के चरित्र का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

'गुनाहों का देवता' में निहित प्रेम के स्वरूप का मूल्यांकन कीजिए। 12

5. (क) निम्नलिखित अवतरण के आधार पर 'नीलदेवी' की नाट्य-भाषा की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए : 9

शत बार धिक्कार है, सहस्र बार धिक्कार है उसको जो मनसा, वाचा, कर्मणा, किसी तरह इन कापुरुषों से डरे। लक्ष बार कोटि बार धिक्कार है उसको जो इन चांडालों के दमन करने में तृण-मात्र भी त्रुटि करे। (बायाँ पैर आगे बढ़ाकर) मलेच्छ-कुल के और उसके पक्षपातियों के सिर पर यह मेरा बायाँ पैर है, जो शरीर के हज़ार टुकड़े होने तक ध्रुव की भाँति निश्चल है, जिस पामर को कुछ भी सामर्थ्य हो हटावैं।

अथवा

(ख) निम्नलिखित अवतरण के आधार पर 'प्रियवास' की काव्य-भाषा का विश्लेषण कीजिए :

मुदित गोकुल की जन-मंडली।
जब ब्रजाधिप सम्मुख जा पड़ी॥
निरखने मुख की छवि यों लगी।
तृषित-चातक ज्यों घन की घटा॥

अथवा

(ग) निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर 'गुनाहों का देवता' उपन्यास की कथा-भाषा का विश्लेषण कीजिए :

घर चमक उठा था जैसे रेशम! लेकिन रेशम के चमकदार, रंगीन उल्लास भरे गोले के अन्दर भी एक प्राणी होता है, उदास स्तब्ध अपनी साँस रोककर अपनी मौत की क्षण-क्षण प्रतीक्षा करने वाला रेशम का कीड़ा। घर के इस सारे उल्लास और चहल-पहल से घिरा हुआ सिर्फ एक प्राणी था जिसकी साँस धीरे-धीरे कुम्हला रही थी, जिसकी चंचलता ने उसकी नज़रों से विदा मांग ली थी, वह थी—सुधा।

(ख) किन्हीं दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5584

10+10=20

(*i*) हे प्यारी! वे अधर्म से लड़े, हम तो अधर्म नहीं कर सकते। हम आर्यवंशी लोग धर्म छोड़कर लड़ना क्या जानें ? यहाँ तो सामने लड़ना जानते हैं। जीते तो निज भूमि का उद्धार और मरे तो स्वर्ग। हमारे तो दोनों हाथ लड्डू हैं; और यश तो जीतें तो भी हमारे साथ हैं और मरें तो भी।

(*ii*) अपने अर्थशास्त्र के बावजूद वह यह समझता था कि आदमी की ज़िन्दगी सिर्फ़ आर्थिक पहलू तक सीमित नहीं और वह यह भी समझता था कि जीवन को सुधारने के लिए सिर्फ़ आर्थिक ढाँचा बदल देने-भर की ज़रूरत नहीं है। उसके लिए आदमी का सुधार करना होगा। वरना एक भरे-पूरे और वैभवशाली समाज में भी आज के-से अस्वस्थ और पाशविक वृत्तियों वाले व्यक्ति रहेंगे तो दुनिया ऐसी ही लगेगी जैसे एक खूबसूरत सजा-सजाया महल जिसमें कीड़े और राक्षस रहते हों।

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 5585

Unique Paper Code : 205640 G

Name of the Paper : Hindi B

Name of the Course : B.A. (Prog.)

Semester : VI

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) नारी-जनों की दुर्दशा हमसे कही जाती नहीं,
लज्जा बचाने को अहो! जो वस्त्र भी पाती नहीं।
जननी पड़ी है और शिशु उसके हृदय पर मुख धरे,
देखा गया है, किन्तु वे माँ-पुत्र दोनों हैं मरे!

अथवा

विद्या बिना अब देख लो, हम दुर्गुणों के दास हैं;
हैं तो मनुज हम, किन्तु रहते दनुजता के पास हैं।
दायें तथा बायें सदा सहचर हमारे चार हैं—
अविचार, अन्धाचार हैं, व्यभिचार, अत्याचार हैं! 8

P.T.O.

5585

(ख) राजनीति एक दर्शन थी, मनुष्य को श्रेष्ठ और सुन्दर बनाने के लिए। तुम्हारी आज की राजनीति उसी मनुष्य को बर्बाद कर सिर्फ वही सत्ता और 'लग्ज़री' हथियाने का 'शॉर्टकट' है।

अथवा

जब से नौकरी में आये, दिन-रात वही काम.....काम.....काम!.....और कोई कुछ जैसे इस दुनिया में है ही नहीं।

मैं औरों की तरह नहीं हो सकता।

तभी मुझे इतने 'एन्वायरन्मेंट' की जरूरत महसूस होती रही। और मैं..... 8

(ग) अम्बपाली पर चारों ओर से फूलों की वर्षा हो रही थी। वह फूलों में ढकी जा रही थी। अट्टालिकाओं और चित्रशालाओं से सेट्ठि लोग फूलों के गुच्छ उन पर फेंक रहे थे और वह हँस-हँस कर उन्हें हाथ में उठा हृदय से लगा नागरिकों के प्रति अपने प्रेम का परिचय दे रही थीं। लोग हर्ष से उन्मत्त होकर जनपद-कल्याणी देवी की जय-जयकार घोषित कर रहे थे।

अथवा

अम्बपाली एक ही क्षण में उस कुटी में उस युवक के अभाव को इतना अधिक अनुभव करने लगी जैसे समस्त विश्वं में ही कुछ अभाव रह गया हो। उसकी इच्छा हुई कि पुकारे – कहाँ हो, कहाँ हो तुम, अरे ओ, अरे ओ कुसुम-कोमल, वज्र-कठिन, तुमने कैसे मुझे आक्रांत कर लिया ? 7

'भारती-भारती' के आधार पर तत्कालीन भारत की स्थिति का वर्णन कीजिए।

अथवा

'भारत-भारती' के संदेश को स्पष्ट कीजिए। 15

'मिस्टर अभिमन्यु' के आधार पर राजन और आत्मन के अन्तर्विरोध को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'मिस्टर अभिमन्यु' के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए। 15

'वैशाली की नगरवधू' उपन्यास के आधार पर अम्बपाली का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5585

अथवा

'वैशाली की नगरवधू' उपन्यास के आधार पर बौद्धकालीन सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए। 15

5. किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 7

(क) मिस्टर अभिमन्यु की नाट्यभाषा

(ख) भारत-भारती की काव्यभाषा

(ग) वैशाली की नगरवधू की कथाभाषा।

his question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

. No. of Question Paper : 6455 GC

nique Paper Code : 205261

me of the Paper : Hindi Language Credit Course (हिन्दी भाषा क्रेडिट पाठ्यक्रम)

me of the Course : **B.A. (Hons.)/B.Sc. (Hons.) Maths/B.Sc. (Mathematical Science)**

emester : II/IV

uration : 3 Hours Maximum Marks : 75

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्नों के उत्तर 400 शब्दों में, टिप्पणियाँ 200 शब्दों में लिखिए।

खण्ड 'क'

आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय दीजिए। (9)

अथवा

हिंदी की अंतर्राष्ट्रीय स्थिति पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

2. हिन्दी के विकास में फोर्ट विलियम कॉलेज की भूमिका का आकलन कीजिए। (7)

अथवा

आधुनिक हिंदी के विकास का परिचय दीजिए।

3. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए: (4)

(i) आर्यसमाज और हिंदी

(ii) संपर्क भाषा के रूप में हिंदी

(iii) हिंदी के प्रचार-प्रसार में मिशनरियों की भूमिका

खण्ड 'ख'

4. किसी एक टेलीविजन धारावाहिक की समीक्षा कीजिए। (9)

अथवा

रेडियो परिचर्चा की भाषा पर विचार कीजिए।

5. सामाजिक-धार्मिक असहनशीलता पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संपादक के नाम पत्र लिखिए। (9)

अथवा

टेलीविजन और रेडियो के समाचार की भाषा का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

55

(4)

किसी एक पर टिप्पणी लिखिए:

(i) एम.एम.एस. की हिंदी

(ii) फ़िल्मी गीतों की भाषा

(iii) प्रिंट मीडिया की भाषा

खण्ड 'ग'

(क) किन्हीं बारह पारिभाषिक शब्दों के हिंदी प्रतिरूप लिखिए: (6)

Authority, Bearer, Circular, Confirmation, Empire, Fiscal Year, Image, Lump sum, Metaphor, Mortgage, Notification, Output, Panel, Record, Sensex, Treasury, Working capital.

(ख) हिंदी में अनुवाद कीजिए: (9)

Secularism is a principle that involves two basic propositions. The first is the strict separation of the state from religious institutions. The second is that people of different religions and beliefs are equal before the law. The separation of religion and state is the foundation of secularism. It ensures that religious groups don't interfere in affairs of state, and makes sure the state doesn't interfere in religious affiars.

Secularism seeks to ensure and protect freedom of religious belief and practice for all citizens. Secularism

is not about curtailing religious freedoms; it is abo ensuring that the freedoms of thought and conscien apply equally to all believers and non-believers alike

In a secular democracy all citizens are equal before th law and parliament. No religious or political affiliatio gives advantages or disadvantages and religious believe are citizens with the same rights and obligations ae anyone else.

खण्ड 'घ'

8. (क) किसी **एक** पर सर्जनात्मक आलेख लिखिए। (8)

(i) बेमौसम बरसात

(ii) 'दिल्ली का एक साप्ताहिक बाजार' पर फीचर

(iii) जल संरक्षण पर चार स्लोगन

(ख) दिल्ली में ट्रैफिक जाम की समस्या पर वार्ता लिखिए। (8)

अथवा

किसी स्मार्टफोन या मोटरकार का एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

his question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

G

. No. of Question Paper : 6502

nique Paper Code : 205671

ame of the Paper : **Hindi Literature**

ame of the Course : **B.A. (H)/B.Sc.(H) (DCC/Credit Course)**

emester : VI

uration : 3 hours

समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75

पूर्णांक : 75

<u>त्रों के लिए निर्देश</u>

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(क) आदिकाल के नामकरण की समस्या पर विचार कीजिए।

अथवा

भक्तिकालीन काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (7)

(ख) आधुनिकता की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मध्यकालीन बोध से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए। (7)

(ग) नवजागरण की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'भारतेन्दु युगीन साहित्य और नवजागरण' विषय पर प्रकाश डालिए। (7)

2. (क) 'पाँचपूत' कविता अथवा 'कुकुरमुत्ता' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए। (8)

(ख) निम्नों दो पद्यांशों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2x8=16)

(i) भुनती वसुधा, तपते नग,
दुखिया है सारा अग-जग,
कंटक मिलते हैं प्रति पग,
जलती सिकता का यह मग,
बह जा बन करुणा की तरंग।
जलता है यह जीवन पतंग।

(क) कवि और कविता का शीर्षक लिखिए।

(ख) भुनती वसुधा से क्या तात्पर्य है, स्पष्ट कीजिए।

(ग) उपर्युक्त पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

502

(ii) श्रम, संकट, सन्ताप, सभी तुम भूला करते पी हाला,
सबक बड़ा तुम सीख चुके यदि सीखा रहना मतवाला;
व्यर्थ बने जाते हो हरिजन, तुम तो मधुजन ही अच्छे;
ठुकराते हरि-मन्दिरवाले, पलक बिछाती मधुशाला।

(क) कवि का नाम और कविता का शीर्षक लिखिए।

(ख) सबक बड़ा तुम सीख चुके यदि सीखा रहना मतवाला, पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) प्रस्तुत पद की व्याख्या कीजिए।

(iii) सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।
मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही,
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।

(क) कवि का नाम एवं कविता का शीर्षक लिखिए।

(ख) 'आग' से क्या तात्पर्य है?

(ग) इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

3. (क) 'दूध का दाम' कहानी की संवेदना पर प्रकाश डालिए। (8)

अथवा

'घर जोड़ने की माया' का प्रतिपाद्य लिखिए।

(ख) किन्हीं **दो** गद्यांशों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2×8=16)

(1) "चार दिन तक पलक नही झँपी। बिना फेरे घोड़ा बिगड़ता है और बिना लड़े सिपाही। मुझे तो संगीन चढ़ाकर मार्च का हुक्म मिल जाए। फिर सात जरमनों को अकेला मारकर न लौटूँ तो मुझे दरबाद साहब की देहली पर मत्था टेकना नसीब न हो। पाजी कहीं के, कलों के घोड़ों-संगीन देखते ही मुँह फाड़ देते हैं और पैर पकड़ने लगते हैं। यो अँधेरे में तीस-तीस मन का गोला फेंकते हैं। उस दिन धावा किया था - चार मील तक एक जरमन नहीं छोड़ा था। पीछे जरनल साहब ने हट आने का कमान दिया, नहीं तो....."

(i) रचना का शीर्षक एवं रचनाकार का नाम लिखिए।

(ii) प्रस्तुत पंक्तियों के अधार पर लहना सिंह की किस चारित्रिक विशेषता पर प्रकाश डाला गया है - स्पष्ट कीजिए।

(2) अभिमानी व्यक्ति अवज्ञा के साथ मिले हुए अधिक स्नेह का तिरस्कार करके वीतरागता के साथ आदर-भाव को स्वीकार कर लेता है। झनकू ने पत्नी में अनुराग न रखने पर भी अन्य

;02

धोबियों के समान उसका अनादर नहीं किया। यह विशेषता बिबिया जैसी स्त्री के लिए स्नेह से अधिक मूल्य रखती थी, इसी से वह रोम-रोम से कृतज्ञ हो उठी।

(i) रचना का शीर्षक एवं रचनाकार का नाम लिखिए।

(ii) बिबिया झनकू के प्रति क्यों कृतज्ञ हो उठी-स्पष्ट कीजिए।

(3) कस्बा रामपुर के व्यापारियों और बड़े महाजनों ने समझ लिया - 'सुभ-लाभ' का ऐसा अवसर बार-बार नहीं आता। चीनी आक्रमण के समय वे हाथ मलकर रह गए। --- यह अकाल का हल्ला चल रहा था कि भगवान ने बाढ़ भेज दिया। दरवाजे के पास तक आई हुई गंगा में कौन नही हाथ धोएगा भला! उनके गोदाम खाली हो गए, रातों-रात बही-खाते-दुरूस्त! अकाली-पीड़ितों के लिए फंड में पैसे देने की सरकारी, गैर-सरकारी अपील पर, उन्होंने दिल खोलकर पैसे दिए।...

(i) रचना का शीर्षक एवं रचनाकार का नाम लिखिए।

(ii) 'सुभ-लाभ' का ऐसा अवसर बार-बार नही आता' में अभिव्यक्त व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) (i) रूप्पन बाबू का परिचय दीजिए।

(ii) प्रिंसिपल साहब ने रंगनाथ बाबू का कॉलेज में किस पद पर का
करने के लिए आमंत्रित किया और क्यों?

(iii) गुलनार भारत क्यों आई थी?

(iv) डी.डी. कौन था? वह अल्मोड़ा शहर देखकर क्यों दुःखी हु

(ख) किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) ययाती ने गालव की सहायता किस प्रकार की?

(ii) माधवी के चरित्र की किन्हीं दो विशेषताओं पर प्रकाश डा

(iii) कैप्टन कपूर कौन था?

(iv) कर्नल सुरजीत ने क्या निर्णय दिया और क्यों?